अव्यवस्था | जरूरी स्थानों पर नहीं दिख रही पेयजल प्याऊ की व्यवस्था

सूखे मटके, सड़कों पर शुद्ध पेयजल के लिए लोग परेशान

जबलपुर, नवभारत। इन दिनों संस्कारधानी भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां तापमान बढ़ने के साथ ही लोगों के लिए पीने के पानी की समस्या भी गहराती जा रही है। गर्मी के मौसम में आमतौर पर शहर के प्रमुख स्थानों पर प्याऊ (पानी पिलाने की व्यवस्था) होना जरूरी माना जाता है, लेकिन इस बार शहर में ऐसी सुविधाएं बेहद सीमित नजर आ रही हैं। बुधवार को शहर के अलग अलग हिस्सों में नवभारत टीम द्वारा की गई जांच में पाया गया कि प्रमुख और भीड़भाड़ वाले स्थान जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल और स्कूलों के बाहर कहीं भी प्याऊ की समुचित व्यवस्था दिखाई नहीं दी।

दिनभर आते हैं हज़ारों लोग

इन जगहों पर रोजाना हजारों लोगों का आना-जाना होता है, इसके बावजूद पानी की सुविधा का अभाव चिंता का विषय बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भीषण गर्मी में राहगीरों और मजदूर वर्ग के लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग दूर-दूर तक पानी की तलाश में भटकते नजर आते हैं, जिससे उनकी सेहत पर भी असर पड़ रहा है।

हालांकि, शहर के कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में प्याऊ की व्यवस्था देखने को मिली। वहां के स्थानीय लोगों के अनुसार, इन स्थानों पर रोजाना साफ और ठंडा पानी भरा जाता है, जिससे राहगीरों को राहत मिलती है।

इनका कहना है

हमारे इलाके में जो प्याऊ है उसकी सारी देखरेख हम ही करते है साफ़ करने से लेकर पानी भरने तक की व्यवस्था सहित सब कुछ ताकि लोगो को साफ़ पानी मिले।

अमन, व्यापारी

शहर के प्रमुख स्थानों पर पीने के पानी की सुविधा न होना एक बड़ी लापरवाही को दर्शाता है। जिम्मेदारो को इस पर ध्यान देना चाहिए।

सुभाष नायडू

लापता बच्ची की तलाश जारी रखते हुए पेश करें वार्षिक रिपोर्ट

जबलपुर। मासूम बच्ची के अपहरण के बाद उसकी तलाश के लिए पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किये जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में मॉ ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता माँ की मौत के बाद किसी ने भी बच्ची के अभिरक्षा के लिए दावा प्रस्तुत नहीं किया। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक रूसिया तथा प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने याचिका का निराकरण करते हुए पुलिस को निर्देशित किया है कि वह लापता बच्ची की तलाश जारी रखते हुए वार्षिक रिपोर्ट पेश करें। दरअसल पन्ना जिले की सिमरिया गांव निवासी पूनम रजक (अब स्वर्गीय) की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि वह 3 जुलाई 2023 को अपनी 6 वर्षीय बच्ची के साथ दमोह के अंबेडकर चौराहा में किसी व्यक्ति का इंतजार कर रही थी। तभी दो व्यक्ति उसकी बेटी का अपहरण अपने साथ ले गये। उसने घटना के के संबंध में कोतवाली थाना दमोह में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बच्ची को तलाश करने पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किये जाने के कारण उक्त बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गयी थी। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि पुलिस के द्वारा 11 स्टेट्स रिपोर्ट पेश की गयी है।

अब शहर में 20 घंटे चलेगा सफाई अभियान : महापौर

स्वच्छता में जबलपुर को नंबर 1 बनाने का शंखनाद

सुबह 6 बजे से रात 2 बजे तक तीन शिफ्टों में चलेगा अभियान

नवभारत,जबलपुर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और स्वच्छता सर्वेक्षण में जबलपुर को देश का सिरमौर बनाने के लिए नगर निगम ने अपनी रणनीति बदल दी है। महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर स्वच्छता गतिविधियों को सुपरफास्ट मोड पर लाने के निर्देश दिए हैं।

इस मौके पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा है कि स्वच्छता अभियान अब सुबह 6 बजे से शुरू होकर देर रात 2 बजे तक कुल तीन शिफ्टों में संचालित किया जाएगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य मुख्य मार्गों के साथ-साथ व्यावसायिक क्षेत्रों और रिहायशी इलाकों में कचरा संग्रहण और सफाई की निरंतरता बनाए रखना है।नगर निगम के इस निर्णय और साकारात्मक पहल से 20 घंटे के कार्य प्लान से साफ है कि जबलपुर अब स्वच्छता के मामले में बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है।

संसाधनों की नहीं है कोई कमी

बैठक के दौरान महापौर ने बताया कि शहर के विकास और स्वच्छता के लिए नगर निगम के पास साधनों, आधुनिक संसाधनों और धनराशि की कोई कमी नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे धरातल पर उतरकर कार्य करें और सुनिश्चित करें कि हर वार्ड में सफाई का स्तर उत्कृष्ट हो।

स्वास्थ्य अमले को मिला एक्शन प्लान

इस दौरान अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चैहान, उपायुक्त संभव अयाची और सहायक आयुक्त अंकिता बर्मन, सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। महापौर एवं निगमायुक्त ने कहा कि हर शिफ्ट की मॉनिटरिंग के लिए नोडल अधिकारी तैनात रहेंगे। जो कि वार्ड स्तर पर नागरिकों को जोड़कर स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे और कचरा पॉइंट्स ,हॉटस्पॉट्स की पहचान कर वहां तत्काल सफाई सुनिश्चित करेंगे।

थाने से लौट रहे युवक पर चाकू से हमला

जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत इंजीनियरिंग कॉलेज के पास प्रेम विवाह से नाराज युवती के परिजनों ने बीच सड़क पर ऑटो रुकवाकर थाने से लौट रहे अपने ही दामाद और उसके परिवार पर हमला बोल दिया। हमले के दौरान युवक पर चाकू से हमला कर दिया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक दमोह नाका निवासी 23 वर्षीय मेहित चौधरी ने राजनंदनी वंशकार से प्रेम विवाह किया था। राजनंदनी के परिजनों ने रांझी थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसी सिलसिले में मेहित अपनी पत्नी राजनंदनी, मां, बहन और चाची के साथ थाने में बयान और लिखा-पढ़ी के लिए आया था। कार्रवाई के बाद जब मेहित का परिवार ऑटो से घर लौट रहा था, तभी गन्ना गेट इंजीनियरिंग कॉलेज के पास युवती के पिता राकेश वंशकार, भाई हरीश, चाचा सचिन और मौसी के लड़के राहुल वंशकार ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने विवाद करते हुए कहा कि तूने हमारी लड़की भगाकर हमारी इज्जत मिट्टी में मिला दी है और पूरे परिवार के साथ मारपीट शुरू कर दी। विवाद के दौरान राहुल वंशकार ने हत्या की नीयत से जेब से चाकू निकाला और मेहित के पेट पर वार किया।

शाम पांच बजे पांच बार बजा सायरन, भिटोनी स्टेशन के साइडिंग लूप लाइन में टैंकर वैगन में लगी आग

जबलपुर, नवभारत। जबलपुर रेलवे स्टेशन में बुधवार 6 मई की शाम उस समय हड़कंप मच गया जब रेल प्रशासन ने एक के बाद एक खतरे के 5 सायरन बजा डाले। सायरन की आवाज सुनते ही रेल कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ-साथ आम लोगों में भी किसी रेल हादसे की खबर से चिंता की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि शाम को ठीक 4:56 बजे मुख्य रेलवे स्टेशन पर सायरन बजना शुरू हुआ जो रुक-रुक कर लगातार 5 बार बजता रहा। सायरन की आवाज सुनकर लोगों में अफरा तफ़री मच गई। वहीं एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) तैयार की जाती रही। इस राहत गाड़ी में जिन-जिन कर्मचारी, अधिकारियों की ड्यूटी होती है, वे दौड़ते-भागते नजर आये। जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या PLBG के एक टैंकर वैगन (CR 61723) में भिटोनी स्टेशन के साइडिंग लूप लाइन में आग लगने की सूचना 4:56 बजे प्राप्त हुई। आग पर नियंत्रण हेतु त्वरित कार्रवाई करते हुए 5:20 बजे आग बुझा दी गई तथा 5:25 बजे प्रभावित वैगन को सुरक्षित रूप से अलग (डिटैच) कर लिया गया। इसके पश्चात 5:45 बजे इस पूरे घटनाक्रम को मॉक ड्रिल घोषित कर दिया गया।

मॉक ड्रिल

मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड

ज्ञात हो कि रेलवे प्रशासन द्वारा मॉक ड्रिल समय-समय पर आयोजित की जाती है, जिससे आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके बुधवार को आयोजित इस मॉक ड्रिल में सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्कृष्ट समन्वय एवं तत्परता का परिचय देते हुए इसे सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस मॉक ड्रिल में रेलवे के विभिन्न विभागों के साथ-साथ स्थानीय गैस प्लांट एवं नगर निगम भिटोनी का भी सक्रिय सहयोग रहा। आग बुझाने हेतु फायर ब्रिगेड को तुरंत मौके पर भेजा गया, जहां उच्च दबाव से पानी का छिड़काव कर आग पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया।

पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

मॉक ड्रिल के दौरान भिटोनी थाना प्रभारी अपने बल के साथ मौके पर उपस्थित रहे। साथ ही आरपीएफ एवं जीआरपी के जवानों ने मुस्तैदी दिखाते हुए भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से संभाला। स्टेशन स्टाफ द्वारा अग्निशमन यंत्रों के साथ तत्परता से कार्य किया गया इस दौरान मंडल के विभिन्न शाखा अधिकारियों ने नियंत्रण कक्ष में पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की निगरानी की तथा समन्वय स्थापित किया।

स्पार्क लगने से जमीन पर गिरा आउटसोर्स कर्मी हुआ घायल

जबलपुर। महाराजपुर में स्पार्क लगने से आउटसोर्स कर्मी जमीन पर गिरकर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मंडला सर्किल के अंतर्गत महाराजपुर डीसी में कार्यरत आउटसोर्स कर्मी जगन्नाथ परस्ते को जूनियर इंजीनियर ने बताया कि 11 केवी लाइन फाल्ट है और उसे सुधार कार्य के लिए आदेशित किया। ठेका कंपनी जीडी नकरानी के माध्यम से नियोजित आउटसोर्स कर्मी जगन्नाथ परस्ते महाराजपुर डीसी के पास लगी डीपी के ऊपर चढक़र 11 केवी जंपर लगा रहा था, इसी समय स्पार्क लगने से पूरे शरीर में एवं कपड़े में आग लग गई और कर्मी लगभग 10 फीट की ऊंचाई से जमीन पर आ गिरा। जिसके वहां मौजूद सहयोगियों ने उसे तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सों ने कर्मी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसे भर्ती कराया गया है। स्पार्क लगने से आउटसोर्स कर्मी का दाहिना पैर, पेट, पीठ सहित कई अंग बुरी तरह झुलस गये हैं।

कैसे चालू हो गई विद्युत सप्लाई

मध्य प्रदेश विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ महासचिव हरेंद्र श्रीवास्तव ने कहा है कि जूनियर इंजीनियर के द्वारा सबस्टेशन से 11 केवी लाइन फाल्ट होने पर परमिट लेकर लाइन बंद करायी थी, तो फिर विद्युत आपूर्ति कैसे चालू हो गई। उन्होंने इस हादसे की सूक्ष्मता से जांच कर दोषी पर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। संघ के मोहन दुबे, दशरथ शर्मा, राजकुमार सैनी, मदन पटेल, जानकी प्रसाद तिवारी, विनोद दास, इंद्रपाल सिंह, संदीप दीपांकर आदि ने पूर्व क्षेत्र कंपनी प्रबंधन से मांग की है कि घायल कर्मी को 10 हजार रुपये की सहायता राशि तत्काल दी जाये।

सूने मकान से नगदी और जेवरात पार

जबलपुर। अधारताल थाना अंतर्गत महाराजपुर में एक ड्राइवर के सूने मकान को निशाना बनाकर चोरों ने नगदी और जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक महाराजपुर निवासी जितेंद्र कुशवाहा ड्राइवरी का काम करता है और उसकी पत्नी सिहोरा अस्पताल में पदस्थ है। गत शाम करीब 7 बजे पति-पत्नी घर पर ताला लगाकर अपनी-अपनी ड्यूटी पर चले गए थे। इसी दौरान सूने मकान का फायदा उठाकर चोरों ने धावा बोल दिया। अगली सुबह जब जितेंद्र घर वापस लौटा, तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देख उसके होश उड़ गए।

इवेंट एंकर से होटल में दुष्कर्म, छत्तीसगढ़ के एमआर पर एफआईआर

जबलपुर । सिविल लाइन स्थित होटल में छत्तीसगढ़ के एमआर ने एक इवेंट एंकर युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, माढ़ोताल ग्रीन सिटी निवासी 26 वर्षीय युवती शादी-संगीत जैसे बड़े आयोजनों में एंकरिंग करती है। अक्टूबर 2025 में एक इवेंट के सिलसिले में वह छत्तीसगढ़ गई थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात छत्तीसगढ़ निवासी सूर्या सिंह पिता संतोष सिंह से हुई। सूर्या सिंह एक प्रतिष्ठित कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) के तौर पर काम करता है। मुलाकात के बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और आरोपी ने युवती को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। दोनों के बीच रिश्ते को लेकर पारिवारिक स्तर पर बातचीत चल रही थी। परिवार की रजामंदी और भविष्य के सपने देखकर युवती उस पर भरोसा करने लगी। इस बीच आरोपी युवती से मिलने जबलपुर पहुँचा। उसने युवती को सिविल लाइन स्थित एक होटल में मिलने के लिए बुलाया। होटल के कमरे में आरोपी ने युवती के सामने शादी का प्रस्ताव रखा और उसका विश्वास जीतकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वे वापस छत्तीसगढ़ चला गया। जब युवती ने उस पर शादी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी अपने वादे से मुकर गया और उससे दूरी बना ली। इसके बाद पीड़िता ने सिविल लाइन थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई। पुलिस ने आरोपी सूर्या सिंह के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस की एक टीम आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छत्तीसगढ़ रवाना होने की तैयारी कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने निगम अध्यक्ष, महापौर व कमिश्नर को लिखा पत्र

नवभारत,जबलपुर। पार्षद मद की राशि जल्द रिलीज करने नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने निगम अध्यक्ष रिंकू विज, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार को पत्र लिखा है। इस संबंध में नेता प्रतिपक्ष ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 चालू हो गया है और पार्षदों को वित्तीय वर्ष 2026-27 के पार्षद मद की राशि 90 लाख रूपये नहीं मिली है। ये राशि मिलने के बाद वार्डों में विकास कार्य शुरू हो सकेंगे और आम जनता राहत की सांस लेगी क्योंकि लगभग 1 वर्ष बाद निगम के चुनाव आ जाने के कारण विकास कार्य नहीं हो सकेंगे ।

कार्यपालन यंत्री को सौंपा जाएगा ज्ञापन

शहर के सबसे बड़े फ्लाईओवर में ब्यूव कटर लगाने, सुरक्षा के पर्याप्त उपाय किये जाने के संबंध में गुरूवार 7 मई की सुबह 11 बजे 1 नं. सर्किट हाउस के बाजू में स्थित पीडब्ल्यूडी कार्यालय में नेता प्रतिपक्ष अपने प्रतिनिधि मण्डल के साथ पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री शिवेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपेगें ।

रिपोर्ट वापस नहीं ली तो हत्या कर दूंगा

जेल से बाहर आए मनचले ने पीड़िता को सरेराह धमकाया

जबलपुर। गढ़ा थाना क्षेत्र में एक युवती को डराने-धमकाने और पीछा करने कर प्रताड़ित करने के आरोप में जेल की हवा खा चुके आरोपी ने जमानत पर बाहर आते ही फिर से अपनी हरकतों पर उतारू हो गया। बदमाश ने पीड़िता को बीच रास्ते में रोककर केस वापस लेने का दबाव बनाया और धमकाया कि अगर रिपोर्ट वापस नहीं ली तो हत्या कर दूंगा। पुलिस के मुताबिक गढ़ा निवासी युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सत्यम कोरी को बीते 4 वर्षों से जानती थी। आरोपी की अत्यधिक शराब पीने की लत और खराब व्यवहार के कारण युवती ने उससे दूरी बना ली थी। लेकिन सत्यम ने उसका पीछा करना नहीं छोड़ा। पूर्व में गढ़ा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज उसे जेल भेजा था। 15 मार्च 2026 को आरोपी जेल से रिहा हुआ और उसी शाम त्रिपुरी चौक पर युवती को रोककर कहा तुमने रिपोर्ट की थी लेकिन मेरा कुछ नहीं हुआ, मैं तुरंत छूट गया। इसके बाद से ही आरोपी लगातार युवती का पीछा कर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। 2 मई को जब पीड़िता अपनी प्राइवेट नौकरी से घर लौट रही थी, तब शाम करीब 7 बजे चौहानी त्रिपुरी चौक के पास सत्यम ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोपी ने उसे धमकाते हुए कहा पिछली रिपोर्ट वापस ले लो और कोर्ट में समझौता कर लो, वरना तुझे जान से खत्म कर इसी चौहानी में फेंक दूंगा। जैसे पिछली बार छूट गया था, वैसे ही फिर छूट जाऊंगा।

युवती के चिल्लाने पर जब राहगीर वहां एकत्र हुए, तो आरोपी मौके से फरार हो गया। डर के कारण युवती दो दिनों तक घर से बाहर नहीं निकली, बाद में उसने परिजनों को आपबीती सुनाई इसके बाद अब पीड़िता ने हिम्मत कर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

निरस्त नामांकनों पर पुनर्विचार करे चुनाव समिति

जबलपुर, नवभारत। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनावों को लेकर मप्र उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन जबलपुर के सिल्वर जुबली सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। एसोसिएशन के सचिव परितोष त्रिवेदी ने बताया कि बैठक में प्रदेश भर के लगभग 18 जिलों एवं नौ तहसील बार संघों के अध्यक्ष, सचिव और पदाधिकारी शामिल हुए।उपस्थित वकीलों ने चुनाव में 12 प्रत्याशियों के नामांकन फार्म असंवैधानिक तरीके से निरस्त किए जाने पर आक्रोश व्यक्त किया गया।अधिवक्ताओं ने एकमत होकर इस निर्णय की निंदा की और चुनाव समिति से इन नामांकनों पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। इस बैठक में मतदाता सूची की विसंगतियों पर भी चर्चा की गई। परितोष त्रिवेदी के अनुसार, प्रदेश भर में लगभग 40 से 50 हजार अधिवक्ताओं के नाम सूची में शामिल नहीं हैं। अधिवक्ताओं ने प्रस्ताव पारित किया है कि वैध मतदाता को मतदान का अधिकार मिलना चाहिए और किसी भी तकनीकी कारण से उन्हें इससे वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

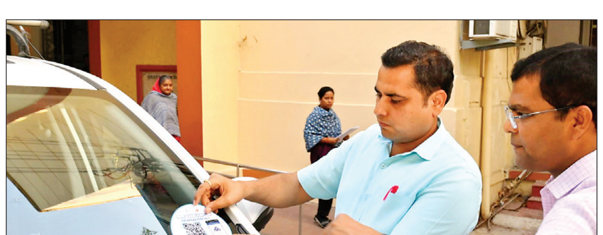

कलेक्टर-निगमायुक्त ने अपने वाहन में चिपकाया फीडबैक स्टीकर

नवभारत,जबलपुर। संस्कारधानी को देश के सबसे स्वच्छ शहरों की सूची में शीर्ष पायदान पर लाने के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम ने अपनी पूरी प्रतिबद्धता स्पष्ट कर दी है। इस मुहिम को सफल बनाने के लिए स्वयं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह मैदान में उतर आए हैं। स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने न केवल मैदानी व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि स्वयं स्वच्छता फीडबैक स्टीकर अपनी सरकारी गाड़ी पर चिपकाया। इस सांकेतिक पहल के माध्यम से उन्होंने संदेश दिया कि शहर को स्वच्छ रखना केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

बैंक वेल्थ मैनेजर ठगी का शिकार, खाते से उड़े 1.62 लाख

जबलपुर। मदन महल थाना अंतर्गत स्नेहनगर में बैंक ऑफ बड़ौदा के एक रीजनल वेल्थ मैनेजर के साथ 1,62,781 की ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि पीड़ित ने न तो किसी से ओटीपी साझा किया और न ही किसी लिंक पर क्लिक किया, फिर भी उनके बैंक खाते में सेंध लग गई। पुलिस ने बताया कि स्नेहनगर, इंद्रा पार्क निवासी आशीष चंद्रा (37) बैंक ऑफ बड़ौदा की राइट टाउन शाखा में रीजनल वेल्थ मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं, उनके मोबाइल पर दो ओटीपी आए थे उन्होंने इन मैसेज को नजरअंदाज किया, लेकिन कुछ ही मिनटों में उनके क्रेडिट कार्ड से दो भारी-भरकम ट्रांजेक्शन हो गए। पहला ट्रांजेक्शन सुबह 9:46 बजे 81,045.74 का और दूसरा ठीक 11 मिनट बाद 9:57 बजे 81,735.70 का हुआ। दोनों भुगतान टाटा पेमेंट लिमिटेड, मुंबई के नाम पर किए गए थे ।

गंदगी | बच्चा वार्ड के बाहर जलभराव, मच्छरों का प्रकोप

डेंगू-मलेरिया फैलने की आशंका

नवभारत, जबलपुर। शहर के जिला अस्पताल विक्टोरिया में इन दिनों सफाई व्यवस्था बेहद खराब स्थिति में है। यहाँ के बच्चा वार्ड के सामने फैली गंदगी, जलभराव और मलबे के कारण मच्छरों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। जब नवभारत टीम ने मौके पर लोगों से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि यहां अक्सर अधिकारी और बड़े लोग निरीक्षण के नाम पर आते हैं, फोटो खिंचवाकर चले जाते हैं, लेकिन हालात सुधारने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। गंदगी और बदबू के कारण अस्पताल में भर्ती मरीजों, खासकर बच्चों को सांस संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दिन में जैसे-तैसे लोग स्थिति झेल लेते हैं, लेकिन रात के समय मच्छरों का प्रकोप और बढ़ जाता है, जिससे परेशानी और गंभीर हो जाती है। मरीजों और उनके परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर राहत दिलाई जाए।

इनका कहना है

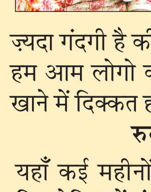

मेरा बच्चा यहाँ कई दिनों से भर्ती है और यहाँ इतनी ज़्यदा गंदगी है की मरीज़ क्या हम आम लोगो को भी खाना खाने में दिक्कत होती है।

रुकसाना बेन

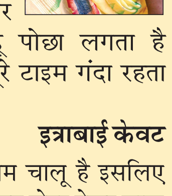

सफाई के नाम पर झूठ बोला जाता है यहाँ सिर्फ़ एक बार ही झाड़ू पोछा लगता है बाक़ी पूरे टाइम गंदा रहता है।

इत्राबाई केवट

यहाँ कई महीनों से नई बिल्डिंग का काम चालू है इसलिए विक्टोरिया में गंदगी रहती है मैं जल्द से जल्द लेटर देकर साफ़ सफ़ाई पर विशेष ध्यान दूँगा।

नवीन कोठारी, अधीक्षक, ज़िला चिकित्सालय